वर्ग नवम

विषय हिंदी

संवाद लेखन(अभ्यास के लिए)

दिए गए पाठ सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें एवं उत्तर पुस्तिका में लिखें।

अपने-अपने जीवन लक्ष्य के बारे में दो मित्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

रंजन - मित्र चंदन! बारहवीं के बाद तुमने क्या सोचा है?
चंदन - मित्र रंजन! मैंने तो अपना लक्ष्य पहले से ही तय कर रखा है। मैंने डॉक्टर बनने के लिए पढ़ाई भी शुरू कर दिया
रंजन - डॉक्टर ही क्यों?
चंदन - मैं डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता हूँ।
रंजन - पर सेवा करने के तो और भी तरीके हैं ?
चंदन - पर मुझे यही तरीका पसंद है। डॉक्टर ही रोते-तड़पते मरीज के चेहरे पर मुसकान लौटाकर वापस भेजते हैं।
रंजन - पर कुछ डॉक्टर का भगवान का दूसरा रूप नहीं कहा जा सकता है?

चंदन - पर मैं सच्चा डॉक्टर बनकर दिखाऊँगा पर तुमने क्या सोचा है, अपने जीवनलक्ष्य के बारे में?

रंजन - पर इतनी मेहनत तो अपने वश की नहीं। सुना है-डॉक्टर, इंजीनियर बनने के लिए बड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है जो मेरे वश की नहीं।
चंदन - पर बिना मेहनत सफलता कैसे पाओगे? रंजन-मैं नेता बनकर देश सेवा करना चाहता हूँ।
चंदन - तूने ठीक सोचा है। हल्दी लगे न फिटकरी, रंग बने चोखा।
रंजन - नेता बनना भी आसान नहीं है। तुम्हारे लक्ष्य के लिए शुभकामनाएँ।